डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा (समस्तीपुर) बिहार

सं0 438 /रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा दिनांक 01 सितम्बर, 2023

अपील

हम सभी को यह विदित है कि देश की संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी भाषा को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था और तब से प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। सभी भाषाओं के साथ–साथ हिन्दी भाषा ने इस बहुभाषी एवं विशाल देश को एक सूत्र में बांधने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करना हमारा संवैधानिक कर्त्तव्य हीं नहीं अपितु राष्ट्र के प्रति नैतिक दायित्व भी है। हिन्दी को सही मायने में विश्वविद्यालय में राजभाषा के रूप में स्थापित करने के लिए जरूरी है कि हिन्दी का प्रयोग अनुवाद के रूप में न करके मूल रूप से किया जाए।

मुझे प्रसन्नता है कि राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार हेतु विश्वविद्यालय इस वर्ष 1–30 सितम्बर, 2023 तक "**हिन्दी चेतना मास**" का आयोजन कर रहा है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से मेरा आग्रह है कि आप अपना अधिक–से–अधिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिन्दी में करें। संचिकाओं पर सहज व सरल हिन्दी भाषा में ज्यादा–से–ज्यादा टिप्पणियाँ लिखें व अपने हस्ताक्षर हिन्दी में करें। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी स्वयं हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करके अधीनस्थ कर्मचारियों को हिन्दी में काम करने के लिए प्रेरित करें।

आईए हम सब मिलकर अपना सरकारी कामकाज राजभाषा हिन्दी में करने का दृढ़ संकल्प लें।

शुभकामनाएँ !

सितम्बर 1, 2023

डॉ० पुन्यव्रत सुविमलेन्दु पाण्डेय
कुलपति